विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
नीतू कुमारी विषय-सह -शैक्षणिक गतिविधि, वर्ग-तृतीय, दिनांक-12-02-2021
एन.सी.ईआर.टी पर आधारित
सुप्रभात बच्चों,
दिए ,गए कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।
पहला साधू यह सब देख कर दुख के मारे विलाप करने लगा और बोला,

हे ईश्वर ! तूने मेरे साथ यह अनर्थ क्यों किया। क्या मेरी भक्ति, तप, जप और पूजा का यही पुरस्कार है ?

इस तरह वह पूरा दिन बड़बड़ाते हुए, अपना जी जलाते हुए वहीं एक पेड़ के नीचे बैठ गया।

तभी वहाँ दूसरा साधू आ पहुंचा। उसने अपनी बर्बाद जोपड़ी देखी तो वह मुस्कुराने लगा। और उसी वक्त ऊपरवाले का धन्यवाद करने लगा। उसने कहा कि-

ऐसे भीषण तूफान में तो पक्के मकान भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं पर तूने तो मेरी आधी झोपड़ी बचा ली। आज यह बात सिद्ध हो गयी की तू मेरी भक्ति से कितना प्रसन्न है। और तेरी मुझ पर कितनी बड़ी कृपा है।

सीख – हर अच्छी बुरी घटना के दो पहलू होते हैं। बुरा निष्कर्ष निकालना, या अच्छा अर्थ निकालना यह आ